चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14·9·26	3	5-6

लुवास के सहयोग से कार्यक्रम; किसानों, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया

एचएयू में डेयरी फार्मिंग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से किसानों, ग्रामीण युवाओं और पशुपालकों के लिए डेयरी फार्मिंग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से महिला व पुरुष प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

एचएयू के सायना नेहवाल प्रशिक्षण संस्थान में डेयरी फार्मिंग का प्रशिक्षण लेने वाले प्रशिक्षणार्थी व प्रशिक्षक।

प्रशिक्षण में डॉ. अनिल ने दुधारू पशुओं की प्रमुख नस्लों की विशेषताओं पर जानकारी दी। डॉ. नैंसी श्योराण ने पोषण प्रबंधन के बारे में बताया। डॉ. सतपाल ने बरसीम, ज्वार, मक्का और जई जैसी फसलों से हरे चारे की वैज्ञानिक विधियां साझा कीं।

संस्थान के डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि कृषि के साथ वैज्ञानिक डेयरी अपनाकर आय बढ़ाई जा सकती है और यह ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम है। डॉ. अंशुल लाठर ने पशुओं में मुंह खुर रोग के लक्षण और इसके बचाव तथा उपायों के बारे में बताया। डॉ. नीरज अरोड़ा ने बताया कि हीट की सही पहचान, समय पर कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ जांच तथा ब्यांत के बाद पशु की सही देखभाल कैसे की जाए। डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. नेहा, डॉ. सतीश जांगड़ा ने भी डेयरी फार्मिंग के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम के कॉर्डिनेटर डॉ. संदीप भाकर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	14.9.26	5	7-8

हकृवि में डेयरी फार्मिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 13 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से किसानों, ग्रामीण युवाओं एवं पशुपालकों के लिए पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान पशु प्रजनन और जेनेटिक्स विभाग के डॉ अनिल ने प्रतिभागियों को दुधारू पशुओं की विभिन्न नस्लों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा. जसमेर दलाल ने पशुओं में होने वाले प्रमुख संक्रामक एवं गैर संक्रामक रोगों के लक्षण, रोकथाम एवं नियंत्रण के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा मेल	15-9-26	7	1-2

डेयरी फार्मिंग को वैज्ञानिक तरीके से अपनाकर आमदनी बढ़ाएं किसान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से किसानों, ग्रामीण युवाओं और पशुपालकों के लिए पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने रविवार को कहा कि किसान कृषि के साथ वैज्ञानिक डेयरी फार्मिंग को अपनाकर अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगाकार इस तरह के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करके किसानों को जानकारी देता रहता है। उन्होंने कहा कि यह ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता का महत्वपूर्ण क्षेत्र भी है। प्रशिक्षण के दौरान पशु प्रजनन एवं जेनेटिक्स विभाग के डॉ. अनिल ने दुधारू पशुओं की विभिन्न नस्लों की जानकारी दी। डॉ. नैंसी श्योराण ने पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता, शरीर भार, गर्भावस्था और उत्पादन अवस्था के अनुसार संतुलित आहार देने पर जोर दिया। डॉ. जसमेर दलाल ने संक्रामक एवं गैर संक्रामक रोगों के लक्षण, रोकथाम और नियंत्रण की जानकारी दी। डॉ. गौरव चराया ने पाचन संबंधी विकारों, जबकि डॉ. अंशुल लाठर ने मुंह-खुर रोग के लक्षण और बचाव के उपाय बताए। डॉ. नीरज अरोड़ा ने हीट की सही पहचान, समय पर कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ जांच तथा ब्यांत के बाद पशुओं की देखभाल की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	15.9.26	11	3-5

वैज्ञानिक तरीके से डेयरी फार्मिंग कर आमदनी बढ़ाएं किसान : डॉ. अशोक गोदारा

हिसार। प्रतिभागी अधिकारियों के साथ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा के सहयोग से किसानों, ग्रामीण युवाओं और पशुपालकों के लिए पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने भाग लिया। सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि किसान कृषि के साथ वैज्ञानिक डेयरी फार्मिंग को अपनाकर अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय लगाकार इस तरह के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करके किसानों को जानकारी देता रहता है। उन्होंने कहा कि यह ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता का महत्वपूर्ण क्षेत्र भी है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	14.9.26	5	7-8

अधिकारियों के साथ प्रतिभागी।

हकृवि में डेयरी फार्मिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 13 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से किसानों, ग्रामीण युवाओं एवं पशुपालकों के लिए पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों से महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान पशु प्रजनन और जेनेटिक्स विभाग के डॉ. अनिल ने प्रतिभागियों को दुधारू पशुओं की विभिन्न नस्लों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. नैंसी श्योराण ने पशुओं के पोषण एवं संतुलित आहार प्रबंधन के बारे में बताया कि पशुओं को उसकी दुग्ध उत्पादन क्षमता शरीर भार गर्भावस्था तथा उत्पादन अवस्था के अनुसार संतुलित मात्रा में हरा चारा, सूखा चारा, दाना, खनिज मिश्रण और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। चारा विभाग के वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने हरे चारे के उत्पादन के लिए किसानों को बरसीम, ज्वार ,मक्का तथा जई आदि के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी। डॉ. संदीप ने गर्मी के मौसम में पशुओं को पर्याप्त स्वच्छ एवं ठंडा पानी पिलाने की सलाह दी। डॉ. जसमेर दलाल ने पशुओं में होने वाले प्रमुख संक्रामक एवं गैर संक्रामक रोगों के लक्षण, रोकथाम एवं नियंत्रण के बारे में बताया। डॉ महावीर सिंह ने पशुओं में थनैला रोग जो एक प्रमुख बीमारी है इसकी रोकथाम हेतु तथा दुग्ध उत्पादन के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी। डॉ. गौरव चराया ने पशुओं में पाचन संबंधित विकारों के बारे में बताया। डॉ नीरज अरोड़ा ने बताया कि हीट की सही पहचान, समय पर कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ जांच तथा ब्यांत के बाद पशु की सही देखभाल कैसे की जाए। डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कृषि के साथ साथ वैज्ञानिक डेयरी फार्मिंग को अपनाकर किसान अपनी आय में बढोतरी कर सकते हैं। डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. नेहा, डॉ. सतीश जांगड़ा ने भी डेयरी फार्मिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	13.09.26	-----	----

हकृवि में डेयरी फार्मिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 14 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से किसानों, ग्रामीण युवाओं एवं पशुपालकों के लिए पांच दिवसीय डेयरी फार्मिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों से महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान पशु प्रजनन और जेनेटिक्स विभाग के डॉ अनिल ने प्रतिभागियों को दुधारू पशुओं की विभिन्न नस्लों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ नैंसी श्योराण ने पशुओं के पोषण एवं संतुलित आहार प्रबंधन के बारे में बताया कि पशुओं को उसकी दुग्ध उत्पादन क्षमता शरीर भार गर्भावस्था तथा उत्पादन अवस्था के अनुसार संतुलित मात्रा में हरा चारा, सूखा चारा, दाना, खनिज मिश्रण और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। चारा विभाग के वैज्ञानिक डॉ सतपाल ने हरे चारे के उत्पादन के लिए किसानों को बरसीम, ज्वार, मक्का तथा जई आदि के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी। डॉ संदीप ने गर्मी के मौसम में पशुओं को पर्याप्त स्वच्छ एवं ठंडा पानी पिलाने की सलाह दी। डॉ जसमेर दलाल ने पशुओं में होने वाले प्रमुख संक्रामक एवं गैर संक्रामक रोगों के लक्षण, रोकथाम एवं नियंत्रण के बारे में बताया। डॉ महावीर सिंह ने पशुओं में थनैला रोग जो एक प्रमुख बीमारी है इसकी रोकथाम हेतु तथा दुग्ध उत्पादन के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी। डॉ गौरव चराया ने पशुओं में पाचन संबंधित विकारों के बारे में बताया। डॉ अंशुल लाठर ने पशुओं में मुंह खुर रोग के लक्षण और इसके बचाव तथा उपायों के बारे में बताया। डॉ नीरज अरोड़ा ने बताया कि हीट की सही पहचान, समय पर कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ जांच तथा ब्यांत के बाद पशु की सही देखभाल कैसे की जाए। डॉ अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कृषि के साथ साथ वैज्ञानिक डेयरी फार्मिंग को अपनाकर किसान अपनी आय में बढोतरी कर सकते हैं। यह व्यवसाय ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार एवं उद्यमिता का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र भी है। डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. नेहा, डॉ. सतीश जांगड़ा ने भी डेयरी फार्मिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।